

# दोस्त की मामी की कामवासना या समाज सेवा

“मैं दमन में रहता हूँ। हमारे पड़ोस में मेरा दोस्त रशीद रहता है। रशीद अकेला रहता है उसके परेंट्स गांव में रहते हैं। एक बार उसकी मामीजान किसी अधिवेशन के... [\[Continue Reading\]](#) ...”

Story By: raja Jain (raja456001)

Posted: शनिवार, सितम्बर 9th, 2006

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [दोस्त की मामी की कामवासना या समाज सेवा](#)

# दोस्त की मामी की कामवासना या समाज सेवा

मैं दमन में रहता हूँ। हमारे पड़ोस में मेरा दोस्त रशीद रहता है। रशीद अकेला रहता है उसके परेंट्स गांव में रहते हैं। एक बार उसकी मामीजान किसी अधिवेशन के सिलसिले से दमन आयी और उसके घर पर करीब दो महीने रही। सबसे पहले उसके मामी के विषय में आप लोगों बता दूँ।

मेरे दोस्त की मामी का नाम फ़रीदा है वो करीब 40 साल की सांवली सुडौल शादीशुदा महिला है। वैसे तो वो हाउसवाइफ़ है लेकिन गांव में मशहूर समाज सेविका है। उसके चूतड़ और बूँस काफ़ी बड़े बड़े और भारी हैं, शकल सूरत से वो खूब सेक्सी और 30 साल से कम लगती है।

अकसर में शनिवार या रविवार जो कि मेरे छुट्टी के दिन हैं, रशीद के साथ गुजारता हूँ। जब से उसकी मामीजान आयी है तब से मैं मामी से दो तीन बार मिल चुका हूँ। वो जब भी मिलती तो मुझे अजीब निगाहों से देखती थी, मुझे देख कर उसकी नज़रों में एक अजीब नशा छा जाता था या यूँ कहिये उसकी नज़र में सेक्स की चाहत झलक रही हो! ऐसा मुझे क्यों महसूस हुआ यह मैं बता नहीं सकता हूँ लेकिन मुझे हमेशा ही लगता था कि वो नज़रों ही नज़रों से मुझे सेक्स की दावत दे रही हो।

मैं जब भी उनसे मिलता तो कम ही बातचीत करता था मगर जब वो बातें करती तो उनकी बातों में दोहरा अर्थ होता था, जैसे 'हार्दिक तुम खाली समय में कुछ करते क्यों नहीं?' मैंने कहा- मामी जी, क्या करूँ, आप ही बतायें? वो बोली- तुम्हें खाली समय का और मौके का फायदा उठाना चाहिये।

मैंने कहा- जरूर फायदा उठाऊंगा अगर मौका मिले तो !

वो बोली- मौका तो कब से मिल रहा है लेकिन तुम कुछ समझते नहीं, न ही कुछ करते हो ?

मैं उनकी बातें सुन कर चकराया और बोला- मामीजान, आप की बातें मेरे दिमाग में नहीं घुस रही हैं।

वो बोली- देखो हार्दिक, आज और कल यानि शनिवार और रविवार तुम्हारी छुट्टी होती है तो तुम्हें कुछ कुछ पार्ट टाइम जोब करना चाहिये ताकि तुम्हारी आमदनी भी हो जायेगी और टाइम पास भी होगा।

इसी तरह की दोहरे शब्दों में मामी जी बातें करती थी और वो जब भी मुझसे बातें करती तब रशीद या तो बाथरूम में होता या फिर किसी काम में व्यस्त होता।

एक दिन जब सुबह करीब 11 बजे रशीद के घर पहुंचा तो घर पर उसकी मामी थी, रशीद मुझे कहीं नज़र नहीं आया।

मैंने पूछा- मामी जी, रशीद नज़र नहीं आ रहा है, कहां गया वो ?

मामी- वो बाथरूम में कब से नहा रहा है। मैं उसी के बाहर निकलने का इन्तज़ार कर रही हूँ।

मैं- लेकिन वो तो ज्यादा समय बाथरूम में लगाता ही नहीं, तुरंत पांच मिनट में आ जाता है।

मामी हंसते हुए- अरे भाई, बाथरूम और बेडरूम ही तो ऐसी जगह है जहां से कोई भी जल्दी निकलना नहीं चाहता है।

मैं कोई जवाब नहीं दे सका, वो भी चुप रही।

थोड़ी देर बाद रशीद बाथरूम से नहा धो कर बाहर आया। उसके बाथरूम से आते ही मामी जी बाथरूम में गयी और मेरी तरफ़ नशीली नज़रों से देखती हुयी बोली- घबराना मत, मैं ज्यादा समय नहीं लगाऊंगी। आप लोग नाश्ते के लिये मेरा इन्तज़ार करना !

कहते हुए वो बाथरूम में घुस गयी, करीब 20 मिनट बाद वो तैयार होकर हमारे साथ नाश्ता करने लगी।

नाश्ता करते वक्त रशीद ने कहा- यार, आज मुझे ओफिस के काम के सिलसिले में सूरत जाना है। और मैं कल रात को या सोमवार दोपहर को वापस लौटूंगा। अगर सोमवार दोपहर को लौटूंगा तो तुम्हें कल फोन कर दूंगा। अगर तुम्हें ऐतराज़ न हो तो क्या तुम जब तक मैं नहीं आता हूँ मेरे घर रुक जाना ताकि मामी को बोरियत महसूस नहीं होगी न ही मुझे उनकी चिंता रहेगी क्योंकि वो दमन में पहली बार आयी हुई हैं।

मैंने कहा- ठीक है, नो प्रॉब्लम!

और वो साढ़े बारह बजे वाली ट्रेन से सूरत चला गया। मैं भी उसे ट्रेन में बिठाने के लिये बोरिवली गया जब वापस लौट रहा था तो एक रेस्तराँ में जाकर 3 पेग व्हिस्की पी और लौट कर रशीद के घर गया।

घर पर मामी जी हाल में बैठ कर कोई किताब पढ़ रही थी। मामीजान ने मुझे नशीली निगाहों से देखा और बोली- रशीद को बैठने की सीट मिल गयी थी क्या?

मैंने कहा- हां... क्योंकि ट्रेन बिल्कुल खाली थी।

वो बोली- मैंने खाना बना लिया है, भूख लगी हो तो बोल देना।

मैंने कहा- अभी भूख नहीं है, जब होगी तो बोल दूंगा।

मामी की निगाहों में अजीब नशा देख कर मैंने पूछा- मामी जी, आप करती क्या हैं?

थोड़ी देर तक मेरे नज़रों से नज़रें मिलाती रही, फिर बोली- समाज सेवा!

यह सुनते ही अचानक मेरे मुंह से निकल गया- कभी हमारी भी सेवा कर दीजिये ताकि हमारा भी भला हो जाये।

वो हल्के से मुसकुराई और बोली- तुम्हारी क्या प्रोब्लम है?

मैंने कहा- वैसे तो कुछ खास नहीं है लेकिन बता दूंगा जब उचित समय होगा।  
 वो मेरे आंखों में आंखें डालती हुए बोली- यहां तुम्हारे और मेरे अलावा कोई नहीं है,  
 बेझिझक प्रोब्लम कह डालो शायद मैं तुम्हारी प्रोब्लम हल कर दूँ ?

मैंने कहा- आप किस प्रकार की समाज सेवा करती हो ?  
 वो बोली- मैं जरूरतमंद लोगों की जरूरत पूरी करने की मदद करती हूँ, उनकी समस्या हल  
 करती हूँ।

मैंने कहा- कि मेरी भी जरूरत पूरी कर दो न ?

वो बोली- जब वक्त आयेगा तो कर दूंगी !

फिर वो चुप रही और मैगज़ीन पढ़ने लगी।

थोड़ी देर बाद मैंने पूछा- मामी जी आप क्या पढ़ रही हैं ? कुछ खास सब्जेक्ट है क्या इस  
 मैगज़ीन में ?

वो मुस्कराते हुए बोली- इस मैगज़ीन में बहुत अच्छा लेख है पत्नी और पति के सेक्स के  
 विषय में !

फिर वो पढ़ने लगी।

थोड़ी देर बाद उसने पूछा- हार्दिक ये उत्तेजना का क्या मतलब होता है ?

मैं सोचने लगा.

वो मेरी ओर कातिल निगाहों से देखती हुयी बोली- बताओ न ?

मेरी समझ में नहीं आया कि हिंदी में उसे कैसे बताऊँ।

वो लगातार मेरी ओर देख रही थी, उसकी आंखों में नशा छाने लगा। मैं उसे गौर से देख  
 रहा था, उसके होंठ खुश्क हो रहे थे, वो अपने होंठों पर जीभ फेर रही थी।

मैंने सोचा अच्छा मौका है मामी को पटाने का।

वो इटला कर बोली- बताओ न क्या मतलब होता है ?  
 उसकी इस अदा को देखते हुए मैंने कहा- शायद चुदास !  
 वो बोली- क्या कहा ? क्या मतलब होता है ?  
 मैंने कहा- क्या तुम चुदास नहीं समझती हो ?  
 वो बोली- कुछ कुछ... क्या यही मतलब होता है ?  
 मैंने कहा- हां शायद यानि कि... कैसे समझाऊँ तुम्हें मामीजी !  
 मैंने उलझ कर कहा ।

वो हंसते हुए बोली- चुदास का मतलब सेक्स करने की चाहत तो नहीं ?  
 मैं उसे एकटक देखने लगा, उसके होंठों पर चंचल मुस्कराहट थी ।  
 मैंने कहा- ठीक समझी आप !  
 वो मेरी आंखों में आंखें डाल कर बोली- किस शब्द से बना है चुदास ?

मैंने उसकी आवाज में कंपकपी महसूस की । मेरे दिल ने कहा 'गधे, वो इतना चांस दे रही है,  
 तू भी बन जा बेशरम... वरना पछतायेगा ।  
 मैंने कहा- चुदास चोदना शब्द से बना है !  
 वो खिलखिला कर हंसने लगी और मैगज़ीन के पन्ने पलटने लगी ।

मैं सोचने लगा कि अब क्या करूँ ?  
 अचानक उसने पूछा- ये वेजिना क्या होता है ?  
 मेरे दिल ने कहा 'साली जानबूझ कर ऐसे सवाल पूछ रही है ।' मैंने बिंदास होकर कहा-  
 योनि को वेजिना कहते हैं ।  
 वो फिर पूछने लगी- यह योनि क्या होता है ।  
 मैंने कहा- क्या आप योनि नहीं जानती हो ?  
 वो बोली- नहीं ।

मैंने कहा- चूत समझती हो ?

मामीजान ने झट से मुंह पर हाथ रखा और मैगज़ीन के पन्ने पलटती हुयी बोली- हा...

मैंने हिम्मत कर के कहा- चुदास की बहुत चाहत हो रही है।

वो हल्के से मुस्कराते हुए कहा- चुदास की प्यास ?

मैंने कहा- वाकई चुदास की प्यास लगी है।

वो बोली- मैं भी दो साल से प्यासी हूँ क्योंकि दो साल पहले मेरा पति से तलाक हो गया था।

मैंने कहा- ओह... इसका मतलब कि दो साल से तुम्हारी चूत ने लंड का पानी नहीं पिया है।

वो सिर झुका कर बोली- आज तक तुम्हारे जैसा कोई मिला ही नहीं।

मैं बोला- अगर मिल जाता तो ?

वो बोली- तो मैं अपनी चूत को उस लंड पर कुर्बान कर देती।

मैं बोला- आओ मेरा लंड तुम्हारी चूत पर न्यौछावर होने के लिये बेकरार है।

मैंने तुरंत उसे अपनी बांहों में ले लिया और उसके होंठ में होंठ डाल कर चुम्बन करने लगा, मैंने महसूस किया कि उसके हाथ मेरे लंड की तरफ बढ़ रहे थे और उसने पैट की ज़िप खोल कर मेरे लंड को पकड़ लिया फिर धीरे धीरे सहलाने लगी।

मेरा लंड लोहे की तरह सख्त हो गया। मुझसे बरदाश्त नहीं हुआ और मैं पैट और अंडरवीयर निकाल कर बिल्कुल नंगा हो गया।

अब मामी ने मेरे लंड को पकड़ कर अपने मुंह में ले लिया और लोली पोप की तरह चूसने लगी।

मुझे बड़ा मज़ा आ रहा था।

कभी वो मेरे लंड के सुपारे को चूसती, कभी जबान से लंड को जड़ तक चाट रही थी.

ऐसा उसने करीब 15 मिनट तक किया।

आखिर में रहा न गया मैंने उसके मुंह में ढेर सारा वीर्य डाल दिया। फिर हम दोनो सोफ़े पर आकर बैठ गये। मेरा लंड फिर सामान्य हो गया।

वो अब भी साड़ी पहने हुयी थी, मैंने उसकी साड़ी में हाथ डाल कर जांघों को सहलाया फिर हाथ को उसकी चूत पर ले गया। उसकी पैंटी गीली हुयी थी, इतनी गीली थी जैसे पानी से भिगोयी हो। मैंने उसकी पैंटी के ऊपर से ही चूत को मसलना शुरू किया, वो बिन पानी की मच्छली की तरह तड़पने लगी।

फिर मैंने उसकी पैंटी में हाथ डाला, उसकी चूत फूली हुयी और गरम भट्टी की तरह सुलग रही थी। मैंने उसकी चूत की दरार में उंगली डाल कर चूत के दाने को मसलने लगा जिस कारण वो बेकरार होने लगी।

अब मैंने उसे सोफ़े पर लिटा कर उसकी साड़ी और पेटिकोट को ऊपर सरकाया। उसकी पैंटी चूत के अमृत से तर-बतर थी। मैंने पैंटी को पकड़ा और जांघों तक सरका दिया।

अब मामी ने खुद उठ कर अपनी पैंटी निकाल दी और फिर सोफ़े पर लेट गयी। उसके घुटने ऊपर थे और टांगें फैली हुयी थी। उसकी सांवली चूत अब बिल्कुल साफ़ साफ़ दिखायी दे रही थी।

मैंने अपने एक उंगली उसकी चूत में डाली तो मुझे लगा मैंने आग को छू लिया हो क्योंकि उसकी चूत काफ़ी गरम हो चुकी थी। मैं धीरे धीरे अपनी उंगली उसके चूत में अंदर बाहर करने लगा, उसके मुंह से आअहह हूहाअ ऊफ़फ़ की आवाज निकल रही थी।

अब मैंने दो उंगलियां उसकी कोमल चूत में घुसाई। चिकनी चूत होने से दोनो उंगलियां आराम से अंदर बाहर हो रही थी। लगभग पचास साठ बार मैंने अपनी उंगलियों से उसकी

चूत की घिसाई की।

इधर मेरा लंड भी फूल कर तन गया था। अब मैं उठ खड़ा हुआ और उसे लेकर बेडरूम में ले गया। वो आंखें बंद किये मेरे अगले कदम का इन्तज़ार करने लगी। मैंने शर्ट निकाल कर उसकी साड़ी और पेटिकोट दोनो उतार दिये और हम बिल्कुल नंगे हो गये।

वो करवट लेकर लेट गयी, अब उसके चूतड़ साफ़ झलक रहे थे, मैंने उसकी गांड पर हाथ से सहलाया। क्या गांड थी... गोल मटोल गांड थी उसकी।

मैं करीब 5 मिनट तक उसकी गांड को सहलाता रहा फिर उसकी कमर पकड़ कर चित लिटा दिया और जितना हो सका उतनी उसकी टांगें फैला दी, फिर उसकी चूत की दरार को फैला कर अपनी जीभ से चूत चाटने लगा।

उसके मुंह से हाअ ऊऊफ़फ़फ़ की नशीली आवाज़ें निकल रही थी। मैं अपनी जीभ से उसकी चूत के एक एक भाग चाट रहा था, बीच बीच में चूत को जीभ से चोद रहा था।

वो बिल्कुल पूरी तरह से गरम हो चुकी थी, वो बोली- अब हटो हार्दिक, मेरी चूत काफ़ी गरमा चुकी है। अपना लंड मेरी गरम गरम चूत में घुसेड़ दो राजा... उफ़फ़... अपने लंड से मेरी चूत की गरमी और प्यास बुझा दो, मेरे हार्दिक, आज इतना कस कस कर चोदो कि मेरे पूरे अरमान निकल जाये।

जैसे ही मैंने उसकी चूत से अपना मुंह हटाया, उसने अपनी टांगें मोड़ ली, मैं उसकी उठी हुयी टांगों के बीच बैठ गया। मैंने उसकी टांगें अपने हाथ से उठा कर अपना लंड उसके चूत के मुंह में रखा जिस कारण उसके शरीर में झुरझुरी मच गयी।

लंड को चूत के मुंह में रखते ही चूत की चिकनाहट के कारण अपने आप अंदर जाने लगा। मैंने कस कर एक धक्का मारा तो लंड पूरा का पूरा उसकी चूत में घुस गया। गरमा गरम चूत के अंदर लंड की अजीब हालत थी।

अब मैं धीरे धीरे अपना लंड उसकी चूत के अंदर बाहर करने लगा। उसकी चूत के घर्षण से

मेरा लंड फूल कर और मोटा हो गया। मेरे हर धक्के पर वो ऊऊफ़फ़ आआहूह ऊऊहूह हूहह की आवाजें निकालने लगी।

करीब बीस मिनट तक मैं उसके चूत में अपना लंड अंदर बाहर करता रहा, फिर मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी और दनादन लंड को चूत में मूसल की तरह घुसाता रहा।

मामी ने मुझे कस कर बाहों में जकड़ लिया, मैं समझ गया कि वो झड़ रही है।

मामी कराह रही थी, बोल रही थी- हाय! हार्दिक दो साल बाद मेरी चूत की खुजली मिटी है। वाकयी तुम पक्के चुदक्कड़ हो। चोदो मुझे जोर जोर से चोद।

मेरा लंड फच फच की आवाज के साथ अंदर बाहर हो रहा था। पूरे कमरे में चुदाई की फ़चाफ़च फ़चाफ़च की आवाजें गूँज रही थी। मेरा लंड उसकी चूत को छेदता जा रहा था। कुछ देर बाद उसके झड़ने के कारण मेरा लंड बिल्कुल गीला हो चुका था और वो निढाल होकर लम्बी लम्बी सांसें ले रही थी।

करीब 50-60 धक्कों के बाद मेरे लंड ने आखिर जोरदार फ़व्वारा निकाला और उसकी चूत में समा गया। जब तक लंड से एक एक बूंद उसकी चूत में समाती रही, मैं धक्कों पर धक्के लगाता रहा। आखिर में मैंने अपना लंड बाहर निकाला और उसके बाजु में लेट गया। हम दोनों की सांसें तेज चल रही थी, वो दाहिनी करवट से लेटी हुई थी।

करीब 15-20 मिनट तक हम ऐसे ही लेटे रहे।

फिर मेरी नज़र मामी की गांड पर पड़ी, गांड का ख्याल आते ही लंड फिर से हरकत करने लगा।

मैंने अपनी एक उंगली उसकी गांड के छेद पर रख कर घुसाने की कोशिश की। उसकी गांड का छेद बहुत टाइट था। मैंने ढेर सारा थूक उसकी गांड के छेद पर और अपनी उंगली पर लगाया और दुबारा उसकी गांड में उंगली घुसाने की कोशिश करने लगा। गीलेपन के कारण

मेरी उंगली थोड़ी गांड में घुस गयी.

उंगली घुसते ही वो कसमसाहट करने लगी, वो तड़प कर आगे खिसकी जिस वजह से उंगली गांड के छेद से बाहर निकल गयी.

मामी मुड़ कर बोली- क्या कर रहे हो ?

मैंने कहा- मामी तुम्हारी गांड सचमुच खूबसूरत है।

वो बोली- उंगली क्यों घुसाते हो ? लंड क्या सो गया है ?

उसकी यह बातें सुनकर मैं खुश हुआ और उसे पेट के बल लिटा दिया और दोनो हाथों से उसकी चूतड़ को फ़ैला दिया जिस से उसकी गांड का छेद और खुल गया।

वो धीरे से बोली- हार्दिक, नारियल तेल, घी या कोई चिकनी चीज मेरे गांड और लंड पर लगा लो तो आसानी रहेगी।

मैंने कहा- मामीजान, इससे भी अच्छी चीज है मेरे पास... वेसलीन !

और मैं उठ कर ड्रायर से वेसलीन ले आया और ढेर सारी वेसलीन अपने लंड और उसकी गांड पर लगाई और उसकी गांड मारने को तैयार हो गया। अब मैंने अपना लंड उसकी गांड के सुराख पर लगाया और थोड़ा जोर लगा कर पुश किया, लंड का सुपाड़ा गांड में थोड़ा सा घुस गया। फिर थोड़ा जोर लगा कर और पुश किया तो सुपाड़ा उसकी गांड में समा गया।

सुपाड़ा गांड में घुसते ही वो बोली- हार्दिक, थोड़ा आहिस्ते आहिस्ते डालो, दर्द हो रहा है, दो साल हो गये गांड मरवाये।

अब मैं सिर्फ़ सुपाड़े को ही धीरे धीरे गांड के अंदर बाहर करने लगा। थोड़ी देर बाद ही उसकी गांड का छेद पूरा लंड खाने के काबिल हो गया। मुझे लगा अब मेरा लंड पूरा उसकी गांड में घुस जायेगा और ऐसा ही हुआ।

उसकी गांड का छेद चिकनाहट की वजह से लंड थोड़ा थोड़ा और अंदर समाने लगा।

दो तीन मिनट की मेहनत से मेरा लंड पूरा का पूरा उसकी गांड में घुस गया। मैं धीरे धीरे अपना लंड उसकी गांड से अंदर बाहर करने लगा। उसकी टाइट गांड होने से मुझे बड़ा मजा आ रहा था। उसे भी गांड मरवाने का मजा आ रहा था और मुंह से ऊफ़फ़ आहूहा की आवाजें निकाल रही थी।

40-50 धक्कों के बाद मेरे लंड ने घुटने टेक दिये और उसकी गांड में ढेर सारा वीर्य छोड़ दिया, वो भी अपनी गांड को सिकोड़ने लगी।  
अब हम दोनों निढाल होकर बिस्तर पर लेट गये।

जब तक मेरा दोस्त नहीं आया, मैंने उसकी मामीजान की कई बार चूत और गांड मारी।

जब मैं वापस अपने घर लौटने लगा तो मामी बोली- कैसी रही मेरी समाज सेवा ?  
और मैंने हंस कर कहा- मामी जी, आप सच्चे तन मन से समाज सेवा करती हो !  
फिर मैं घर लौट आया.

मेरी कहानी पर अपनी राय लिखें !

raja456001@rediffmail.com





## Other sites in IPE

### Wahed



**URL:** [www.wahedsex.com/](http://www.wahedsex.com/) **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

### Clipsage



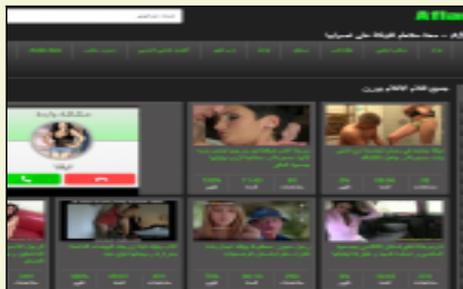
**URL:** [clipsage.com](http://clipsage.com) **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

### Arab Phone Sex



**URL:** [www.arabphonesex.com](http://www.arabphonesex.com) **CPM:** Depends on the country - around 1,5\$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

### Aflam Porn



**URL:** [www.aflamporn.com](http://www.aflamporn.com) **Average traffic per day:** 270 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site is intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

### Savita Bhabhi Movie



**URL:** [www.savitabhahhimovie.com](http://www.savitabhahhimovie.com) **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

### Antarvasna Indian Sex Photos



**URL:** [antarvasnaphotos.com](http://antarvasnaphotos.com) **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.